Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-6(A) June-2026

Original Article

शिवहर जिला में कृषि उत्पादन की समस्या एवं संभावना : एक भौगोलिक अध्ययन

सुमित राज[1], प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार[2]

[1]वरीय शोध छात्र, विश्वविद्यालय भूगोल विभाग, बी .आर. ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर।

[2]सह प्राचार्य भूगोल विभाग नीतीश्वर महाविद्यालय मुजफ्फरपुर, बी. आर. ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

Email: sumitcosmos.raj@gmail.com

Manuscript ID:
JRD -2026-180607
ISSN: 2230-9578
Volume 18
Issue 6(A)
Pp 19-21
June - 2026
Submitted: 10 May 2026
Revised: 20 May 2026
Accepted: 10 June 2026
Published: 30 June 2026

सारांश-

शिवहर जिला बिहार राज्य का एक महत्वपूर्ण कृषि जिला है। यहाँ की अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर करती है। धान, गेहूँ और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के साथ-साथ सब्जी उत्पादन भी यहाँ की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बदलती कृषि तकनीक, सिंचाई सुविधाओं और बाजार की बढ़ती मांग के कारण शिवहर में कृषि उत्पादन का क्षेत्रफल और उत्पादकता दोनों में वृद्धि हुई है। यह जिला मुख्यतः बागमती के मैदानी भाग की उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी का क्षेत्र है, जो सब्जियों के उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी जाती है। यहाँ की जलवायु विभिन्न प्रकार के सब्जियों के उत्पादन के लिए अनुकूल है। प्रस्तुत शोध पत्र में सब्जी उत्पादन एवं समस्याओं का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा।

शब्द कुंजी: *सब्जी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जलवायु, उत्पादन, बाजार आदि।*

प्रस्तावना

शिवहर जिला एक कृषि प्रधान जिला है। यहाँ की जनसंख्या कृषि और इससे सम्बद्ध कार्यों पर निर्भर है। सब्जी उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार का प्रमुख साधन है। शिवहर जिला उत्तर बिहार का एक उभरता हुआ कृषि क्षेत्र है जहाँ, सब्जी का उत्पादन का विकास और इसके सामने उपस्थित समस्याओं का भौगोलिक विश्लेषण करना आवश्यक है।

अध्ययन क्षेत्र :-

शिवहर जिला उत्तर बिहार के मैदानी भाग में स्थित है जो 6 अक्टूबर 1994 को सीतामढ़ी से अलग होकर बना बिहार का सबसे छोटा जिला है। इस जिला के उत्तर में सीतामढ़ी तथा दक्षिण में मुजफ्फरपुर, पूर्व में सीतामढ़ी तथा पश्चिम में पूर्वी चम्पारण जिला अवस्थित है। इस जिला का कुल क्षेत्रफल 443 वर्ग कि० मी० है तथा 2011 की जनगणना के अनुसार इस जिला की जनसंख्या 656916 है तथा वर्तमान में इसकी जनसंख्या लगभग 868400 है। इसका घनत्व 1279 तथा लिंगानुपात 893 है। कुल साक्षरता 53.78% है, जिसमें पुरुष साक्षरता 61.31% तथा महिला साक्षरता 45.26% है। यह क्षेत्र समतल भू-पृष्ठ, उपजाऊ मिट्टी और नदी तंत्र बागमती आदि के प्रभाव में प्रभावित है। यहाँ का मौसम उष्ण – कटिबंधीय मानसून पर आधारित है जिसमें गर्मी, वर्षा तथा ठंडी तीनों मौसम का प्रभाव मिलता है। इस भौगोलिक स्थितियों का सब्जी उत्पादन पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।

विधितंत्र :-

शिवहर जिला में सब्जी उत्पादन एवं संभावनाओं के भौगोलिक अध्ययन के प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया गया है।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
सुमित राज, वरीय शोध छात्र, विश्वविद्यालय भूगोल विभाग, बी .आर. ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर।

How to cite this article:
सुमित राज & प्रमोद कुमार. (2026). शिवहर जिला में कृषि उत्पादन की समस्या एवं संभावना: एक भौगोलिक अध्ययन. Journal of Research & Development, 18(6(A)), 19–21.
https://doi.org/10.5281/zenodo.21488698

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.21488698

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-6(A) June-2026

प्राथमिक स्रोत के अंतर्गत क्षेत्रीय सर्वेक्षण, किसानों तथा विपणन कर्मियों से साक्षात्कार तथा क्षेत्र में प्रत्यक्ष अवलोकन आदि शामिल हैं जबकि द्वितीयक स्रोतों के अंतर्गत कृषि विभाग के सांख्यिकीय आँकड़े, शोधपत्र, पुस्तकें तथा इंटरनेट से प्राप्त आँकड़ों का उपयोग किया गया है।

सब्जी उत्पादन का भौगोलिक वितरण :-

शोध जिला में मुख्य रूप से आलू, भिंडी, बैंगन, टमाटर, पत्ता गोभी, फूलगोभी आदि सब्जियों की खेती की जाती है। जिला में सब्जी उत्पादन जल निकासी, सिंचाई सुविधाएँ तथा मिट्टी की गुणवत्ता के आधार पर सब्जी उत्पादन में भौगोलिक विभिन्नता पायी जाती है। उदाहरण– स्वरूप उत्तरी शिवहर क्षेत्र जलस्तर अधिक है, कुछ क्षेत्रों में जल-जमाव का प्रभाव है, जिससे सब्जी का उत्पादन उतना अच्छा नहीं हो पाता है, जबकि दक्षिणी शिवहर क्षेत्र में अच्छी जल निकासी, उच्च उत्पादकता वाले खेत यानी उर्वर मिट्टी के कारण सब्जी का उत्पादन अच्छा होता है। जिसमें तरियानी, डुमरी, कटसरी, पिपराही तथा पुरनहियाँ प्रमुख हैं।

सब्जी उत्पादन में आने वाली मुख्या समस्याएँ :-

शिवहर जिला में सब्जी उत्पादन के विकास में कई समस्याएँ सामने आती है। इन्हें हम भौगोलिक, आर्थिक तथा सामाजिक कारणों के आधार पर वर्गीकृत कर अध्ययन किया जा सकता है।

(i) कृषि भौगोलिक समस्याएँ:- इसके अंतगर्त जल संसाधन सम्बंधित समस्याएँ आती है। उत्तरी भाग में गहन जल की निकासी की कमी है जिससे बाढ़ तथा जल – जमाव की स्थिति बनी रहती है। जब क्षेत्र में जल – जमाव की स्थिति बनी रहेगी तो किसी भी प्रकार की खेती करना असंभव है। इसलिए शिवहर जिला में गहन जल निकासी की कमी है।

(ii) मिटटी की उर्वरता में कमी:- शोध जिला शिवहर के अधिकतर खेतो में पोषक – तत्वों की कमी है जिससे सब्जी की खेती करने में समस्याएँ आती है।

(iii) आर्थिक समस्याएँ:- सब्जी की खेती करने में पूंजी की उपलब्धता भी खास महत्त्व रखता है। ऐसी स्थिति में छोटे तथा सीमांत किसान जिनकी आर्थिक स्थिति दयनीय होती है अच्छे से खेती करने में असमर्थता महसूस करते है। क्यूंकि उन्नत खाद- बीज, उर्वरक तथा आधुनिक कृषि यन्त्र खरीदने में पूंजी की आवश्यकता होती है। पूंजी के अभाव में सब्जी की खेती करना असंभव है।

(iv) बाजार की समस्या :- शोध जिला में खराब बाजार मार्ग की उपलब्धता के कारण लक्ष्य बाजार तक सब्जी को भेजने में कठिनाई होती है। कभी – कभी उत्पादन का भाव मंदा हो जाता है तथा मूल्य में अस्थिरता बनी रहती है। किसान सब्जी का उत्पादन बड़े पैमाने पर कर लिए लेकिन उचित बाजार का ना मिलना तथा उचित मूल्य न मिलना एक बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। जैसे सब्जी उत्पादन के समय पर्याप्त मात्रा में उत्पादन होने के कारण सब्जी का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है। जिससे किसानों के समक्ष एक समस्या उत्पन्न हो जाती है।

(v) सामाजिक तथा प्रबंधन संबंधी समस्याएँ:- शोध जिला में किसानों की कृषि शिक्षा तथा प्रशिक्षण की कमी है। उन्नत कृषि हेतु तकनीकी ज्ञान का अभाव के कारण सब्जी उत्पादन में समस्याएँ आती है।

(vi) सिंचाई की सुविधा का अभाव:- सब्जी उत्पादन में सिंचाई अहम् भूमिका निभाता है। शिवहर जिला में सिंचाई का समूचित विकास नहीं हो पाया है जिससे सब्जी उत्पादन में समस्याएँ उत्पन्न हो रही है।

(Vii) भंडारण की समस्या:- शोध जिला में भण्डारण सुविधाओं के अभाव के कारण उपज का नुकसान होता है। उपज को समय से बाजार तक पहुँचाने में कठिनाई होती है। भंडारण की असुविधा के कारण सब्जी को कम भाव में ही बेचना पड़ता है जिससे उत्पादकों को हानि होती है।

सब्जी उत्पादन की समस्या का समाधान :-

शिवहर जिला में सब्जी उत्पादन को बढाने तथा समस्याओं को कम करने के कुछ सुझाव निम्नलिखित है -

(i) कृषि वैज्ञानिक पद्धतियों का विकास:-

सब्जी उत्पादन हेतु कृषि वैज्ञानिक पद्धतियों का विकास जरूरी होता है। उन्नत और मौसम अनुकूल (Hybrid seeds) सब्जी प्रकारों का उपयोग करने में सब्जी का उत्पादन ज्यादा होता है तथा मुनाफा भी ज्यादा होता है। इसके साथ ही जैविक खाद एवं उर्वरकों के संतुलित उपयोग से सब्जी उत्पादन में विकास होता है। इसके लिए किसानों को सतत – कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण जरूरी है।

(ii) सिंचाई एवं जल प्रबंधन:-

शोध जिला में सिंचाई की समुचित व्यवस्था की अति-आवश्यकता है। आधुनिक ढंग की कृषि प्रणाली, ड्रिप तथा स्प्रिंकल सिंचाई का प्रोत्साहन यदि उत्पादकों को दी जाए तो सिंचाई की समस्या खुद हल हो जायेगी। इसके साथ ही जल संचयन परियोजना भी समस्या के सामाधान में अहम भूमिका निभाता है।

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-6(A) June-2026

(iii) विपणन एवं भंडारण सुविधाएं -

सब्जी उत्पादन के भण्डारण हेतु कोल्ड स्टोरेज का निर्माण किया जाये तथा सब्जी के सर्वोत्तम मूल्य प्राप्ति के लिए सहकारी समितियों की स्थापना भी महत्वपूर्ण समाधान है। इसके साथ शोध जिला में सड़क एवं परिवहन सुविधाओं का सुधार कर दिया जाए तो उत्पादित सब्जी को बाजार तक पहुँचाने में या व्यापारी को उत्पादक तक पहुचने में कठिनाई नहीं होगी।

(iv) वित्तीय सहायता -

किसान जो लघु एवं सीमांत किसान है जिनकी आर्थिक स्थिति दयनीय है यदि उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध करा दी जाए तो सब्जी उत्पादन विशेष हो सकता है। साथ ही किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ दिया जाये तो सुखाड़ एवं बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा के समय यह लाभदायक साबित होगी।

निष्कर्ष :- शिवहर जिला एक महत्वपूर्ण सब्जी उत्पादक जिला है। यहाँ की भौगोलिक विशेषताएं, जलवायु तथा भूमि उपयोग की विविधता सब्जी उत्पादन को प्रभावित करती है। इसके बावजूद सिंचाई, वित्तीय संसाधन, आधुनिक तकनीक तथा विपणन जैसी समस्या उत्पादन को सिमित करती है। अगर सरकार, कृषि विभाग तथा स्थानीय समुदाय मिलकर समन्वित प्रयास करे तो किसानों की आय में सुधार और समग्र ग्रामीण विकास संभव है। शोध अध्ययन से साफ – साफ स्पष्ट होता है कि उन्नत कृषि पद्धति, बेहतर संसाधन प्रबंधन तथा बाजार संपर्क से शिवहर जिला में सब्जी उत्पादन को और अधिक मजबूती प्रदान की जा सकती है जिससे क्षेत्र में चतुर्दिक विकास हो सकेगा तथा किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होकर जिला के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर सकेगा।

संदर्भ ग्रन्थ :-

1) हुसैन माजिद (2020), कृषि भूगोल, नई दिल्ली : रावत पब्लिकेशन।
2) सिंह, जसबीर (2014), कृषि भूगोल, नई दिल्ली : टाटा मैकग्रा हिल।
3) भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (2025), कृषि सांख्यिकी रिपोर्ट।
4) भारत की जनगणना (Census 2011)
5) शिवहर जिला का गजेटियर।
6) ए सेन्सस हैंडबुक ऑफ़ शिवहर डिस्ट्रिक्ट।